हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
एम. ए. हिंदी – चतुर्थ सत्र
कोर्स कोड – PGHND4C003
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य

समय – तीन घंटे | अंक – 100

खंड – अ

बहुविकल्पी प्रश्न – (1.5×10 = 15)

1. प्र. श्रीलाल शुक्ल का उपन्यास है –
(क) त्यागपत्र (ख) आपका बंटी (ग) मैला आँचल (घ) सूनी घाटी का सूरज

2. प्र. 'राग दरबारी' उपन्यास का प्रकाशन वर्ष है –
(क) 1969 (ख) 1959 (ग) 1968 (घ) 1964

3. प्र. 'सैलर' कहानी के कहानीकार हैं –
(क) हरिशंकर परसाई (ख) शिवप्रसाद सिंह (ग) रामकुमार
(घ) रघुवीर सहाय

4. प्र. 'एक दुनिया समानान्तर' पुस्तक के संपादक हैं –
(क) कमलेश्वर (ख) नामवर सिंह (ग) मोहन राकेश (घ) राजेन्द्र यादव

5. प्र. भीष्म साहनी की रचना 'भाग्यरेखा' है –
(क) उपन्यास (ख) कहानी संग्रह (ग) नाटक (घ) आत्मकथा

6. प्र. 'कबिरा खड़ा बाज़ार में' का प्रकाशन वर्ष है –
(क) 1980 (ख) 1985 (ग) 1981 (घ) 1990

7. प्र. 'हरिजन गाथा' में कलुआ किसका नाम है –
(क) व्यस्क (ख) नवजात शिशु (ग) बुज़ुर्ग (घ) गुरु महाराज

8. प्र. "जमना – किनारे
मखमली दूबों पर
पसरकर लेटी है
यह भी तो मादरे हिंद की बेटी है।"
– ये पंक्तियाँ किस कविता की हैं –

(क) बहुत दिनों के बाद (ख) मेघ बजे (ग) पैने काँटोंवाली
(घ) लम्बा चिनार

9. प्र. रघुवीर सहाय का 'भँवर लहरें और तरंग' है—
(क) उपन्यास (ख) कहानियाँ (ग) नाटक (घ) कविता संग्रह

10. प्र. "दफ्तर में कल के गया वे जमे बैठे थे
तने हुए जितना वे तन सकते थे मोटे शरीर
उनके तले शक्ति थी दबी हुई जनता की
उस शक्ति की पीड़ा उनके चेहरे पर थी।"
- ये पंक्तियाँ किस कविता की हैं—
(क) आज का पाठ है (ख) चेहरा (ग) हँसो हँसो जल्दी हँसो
(घ) पानी पानी

खंड - आ

लघु उत्तर वाले प्रश्न - (किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए) (5×8=40)

1. प्र. 'रागदरबारी' उपन्यास में शिवपालगंज की शैक्षणिक स्थिति का जो चित्रण हुआ है। उसकी समीक्षा कीजिए।

या

2. प्र. नेता के रूप में 'रागदरबारी' उपन्यास के पात्र रूपन बाबू के चरित्र पर टिप्पणी लिखिए।

3. प्र. 'बदबू' कहानी की समीक्षा कहानी के तत्वों के आधार पर कीजिए।

या

4. प्र. 'खोई हुई दिशाएं' कहानी के शीर्षक के आधार पर पात्र चन्दर की स्थिति पर टिप्पणी कीजिए।

5. प्र. 'कबिरा खड़ा बाजार' में नाटक की पात्र-योजना पर टिप्पणी कीजिए।

या

6. प्र. नाटक 'कबिरा खड़ा बाजार' में का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए

7. प्र. 'प्रतिबद्ध हूँ' कविता में कवि नागार्जुन की सामाजिक प्रतिबद्धता पर टिप्पणी कीजिए।

या

8. प्र. 'पैने दाँतों वाली' कविता के भाव-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

9. प्र. 'आज का पाठ है' कविता में कवि रघुवीर सहाय के विचारों पर टिप्पणी कीजिए।

या

10. प्र. 'है' कविता के केन्द्रीय विषय को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

खंड - ड (15×3 = 45)

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न — किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. प्र. 'राग दरबारी' उपन्यास में देश की व्यवस्था का चित्रण हुआ है विश्लेषण कीजिए।

2. प्र. 'तीसरी कसम' में हीरामन के द्वारा ली गई तीन कसमों के आधार पर कहानी के कथ्य की समीक्षा कीजिए।

3. प्र. 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के आधार पर कबीर की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए

4. प्र. 'हरिजन गाथा' कविता का समीक्षात्मक अध्ययन कीजिए।

5. प्र.. 'दो अर्थ का भय' कविता के केन्द्रीय विषय की समीक्षा कविता के आधार पर कीजिए।